पाठ 29

एशिया : आर्थिक स्वरूप

आइए सीखें

- एशिया महाद्वीप में कृषि का क्या महत्व है?
- महाद्वीप में खनिज और ऊर्जा के कौन-कौन से संसाधन हैं?
- महाद्वीप में प्रमुख उद्योग धन्धे एवं यातायात का विकास किस प्रकार का है?
- कृषि, खनिज, ऊर्जा के साधन, उद्योग-धंधे तथा यातायात साधनों का एशिया के आर्थिक विकास में क्या योगदान है?
- एशिया में भारत की स्थिति का महत्व एवं प्रमुख देशों की जानकारी।

आप जानते हैं, एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यहाँ की विशाल जनसंख्या कृषि, खनिज एवं उपलब्ध ऊर्जा के संसाधनों पर निर्भर है। प्रकृति से प्राप्त, वे पदार्थ जिन्हें मानव ने अपने लिए उपयोगी बना लिया है, संसाधन कहलाते हैं। यहाँ के जनजीवन एवं आर्थिक विकास पर यहाँ के संसाधनों का विशेष प्रभाव पड़ता है।

कृषि

नदियों द्वारा निर्मित मैदान जैसेः गंगा-सिंधु का मैदान, यांगटिसीक्यांग व ह्वांगहो का मैदान, इरावदी व मिकांग नदी के मैदानों में उपजाऊ कछारी मिट्टी होने से बड़ी मात्रा में कृषि की जाती है। यहाँ एशिया की अधिकांश जनसंख्या निवास करती है। मैदानी भागों के अतिरिक्त कहीं-कहीं पहाड़ों और पठारों की तलहटी में भी खेती होती है। महाद्वीप की मुख्य फसलें हैं — चावल, गेहूँ, मक्का, गन्ना, चाय, कपास, रेशम, जूट (पटसन), रबर, तम्बाकू, मसाले एवं फल। एशिया महाद्वीप के भारत में चाय, चीन में रेशम, बांग्लादेश में जूट और इण्डोनेशिया में रबर ऐसी मुख्य फसलें हैं, जो इन देशों की आर्थिक स्थिति को मजबूत आधार प्रदान करती है। एशिया की प्रमुख फसलों को मानचित्र क्र. 11 में देखिए।

खनिज एवं ऊर्जा के साधन

कृषि में विभिन्न फसलों के उत्पादन के साथ-साथ खनिज एवं ऊर्जा के साधन भी किसी भी देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत आधार प्रदान करते हैं, क्योंकि खनिज एवं ऊर्जा के साधन ही उद्योगों के मुख्य आधार होते हैं।

चीन, जापान, भारत, रूस में कोयला, ईरान, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात में पेट्रोलियम पदार्थ ऐसे खनिज हैं, जो इन देशों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण

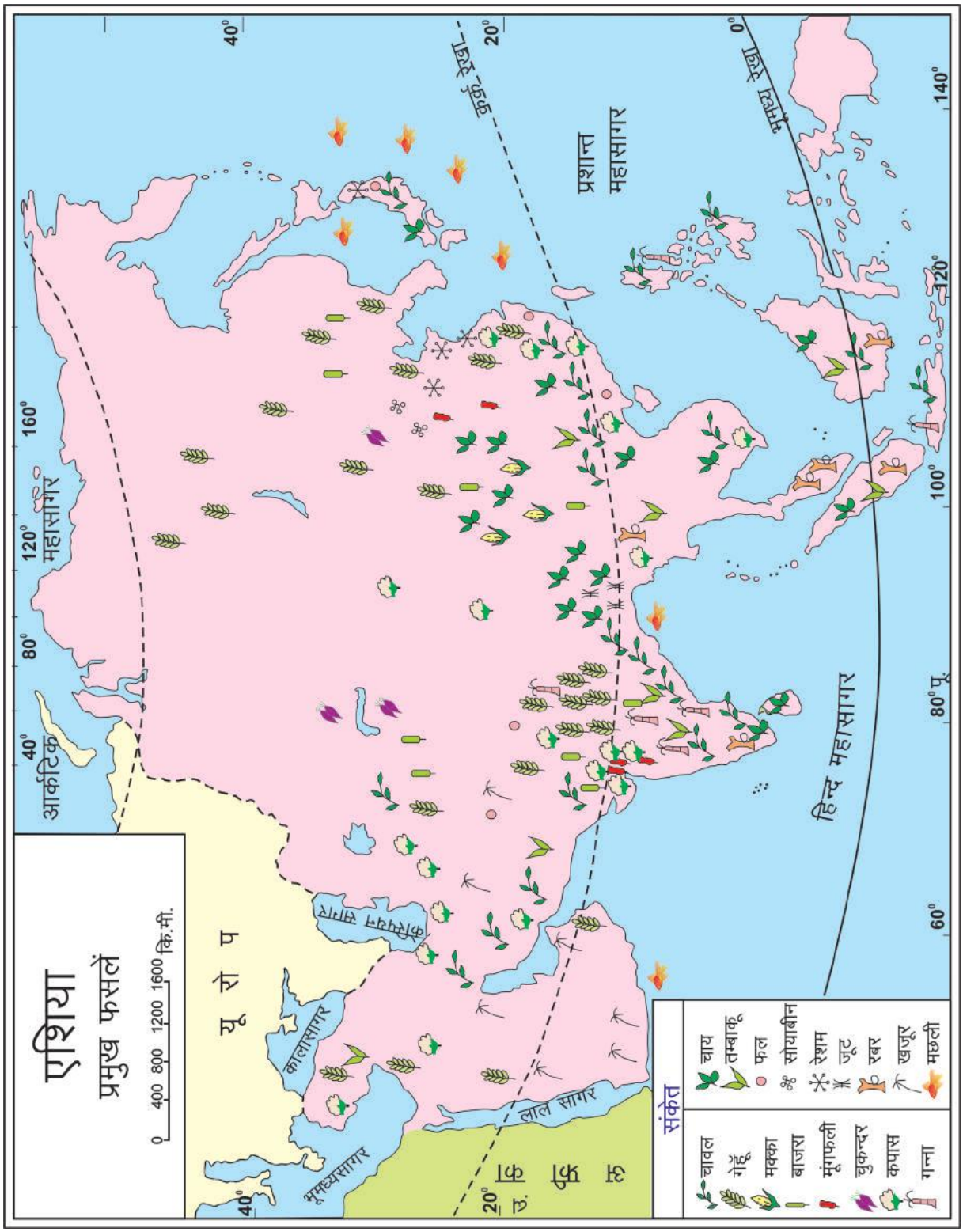

मानचित्र क्र.-11: एशिया की प्रमुख फसलें

योगदान देते हैं। इसी प्रकार टिन का उत्पादन मलेशिया का मुख्य आर्थिक स्तम्भ है। लोहा भारत, चीन तथा रूस में बहुतायत से मिलता है।

उपर्युक्त खनिजों के अलावा मैंगनीज, तांबा, अभ्रक, सीसा, सोना आदि खनिज एशिया महाद्वीप में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। एशिया महाद्वीप के खनिज पदार्थों के क्षेत्रीय वितरण को जानने के लिए मानचित्र क्र. 12 को ध्यान से देखिए।

उद्योग

किसी महाद्वीप के कृषि, खनिज एवं ऊर्जा के संसाधनों का प्रत्यक्ष प्रभाव वहाँ के उद्योगों पर होता है। एशिया महाद्वीप में भी इनका वृहत् प्रभाव देखने को मिलता है। लोहा-इस्पात उद्योग का सबसे अधिक विकास रूस, चीन, और भारत में हुआ है। यहाँ से लौह-इस्पात का सामान निर्यात किया जाता है। खनिज तेल से सम्बन्धित उद्योगों का विकास ईरान, इराक, कुवैत, रूस, चीन, भारत आदि देशों में हुआ है। इसी प्रकार चीन, भारत और जापान में सूती वस्त्र तथा चीन और जापान में रेशमी कपड़ा बनाने के कारखाने अधिक हैं। उद्योगों के वितरण को मानचित्र क्र. 12 में देखिए। दक्षिण पूर्व एशिया के देशों– भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि में शक्कर तथा रबर के कारखाने हैं। ये सभी उद्योग इन देशों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाते हैं।

यातायात

प्राचीन काल से ही एशिया में यातायात के साधनों का अच्छा विकास हुआ है। चीन का 'रेशम मार्ग' तथा भारत का 'ग्रांड ट्रंक रोड' प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध है। इस महाद्वीप में चीन, जापान, भारत, सिंगापुर, पाकिस्तान, बांग्लादेश, रूस ऐसे देश हैं, जहाँ सड़कों का विकास बड़े पैमाने पर हुआ है। जिससे इन देशों के उद्योगों और व्यापार में बहुत उन्नति होने से, वहाँ की आर्थिक दशा सुढ्ढढ बनाते हैं। .

संसार का सबसे लम्बा रेलमार्ग 'ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग' (मानचित्र क्र. 12 में देखिए) जो रूस की राजधानी मास्को से पूर्व में ब्लाडीबोस्टक तक है। यह मार्ग यहाँ के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसी तरह भारत, चीन, जापान आदि देशों के विकसित रेल मार्गों ने भी वहाँ की आर्थिक स्थिति के विकास में सहायता की है।

जलमार्गों में स्वेज नहर का अत्यधिक महत्व है, जो भूमध्यसागर और लाल सागर को जोड़ती है। एशिया महाद्वीप में इसका अत्यधिक व्यापारिक महत्व है, क्योंकि इस मार्ग से दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी एशिया के देश तथा विश्व के अन्य औद्योगिक देश आपस में नजदीक आए हैं। जिससे इनके व्यापार में वृद्धि हुई है। एशिया में भारत की स्थिति जो तीन ओर से जल से घिरा है 'जल मार्गों' की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार एशिया महाद्वीप के लगभग सभी महानगर आपस में वायु मार्गों से जुड़े हैं। मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली, चैन्नई, रंगून, बैंकाक, हांगकांग, तेहरान, सिंगापुर, शंघाई, टोक्यो आदि महत्वपूर्ण शहर वायु मार्गों से जुड़े हैं।

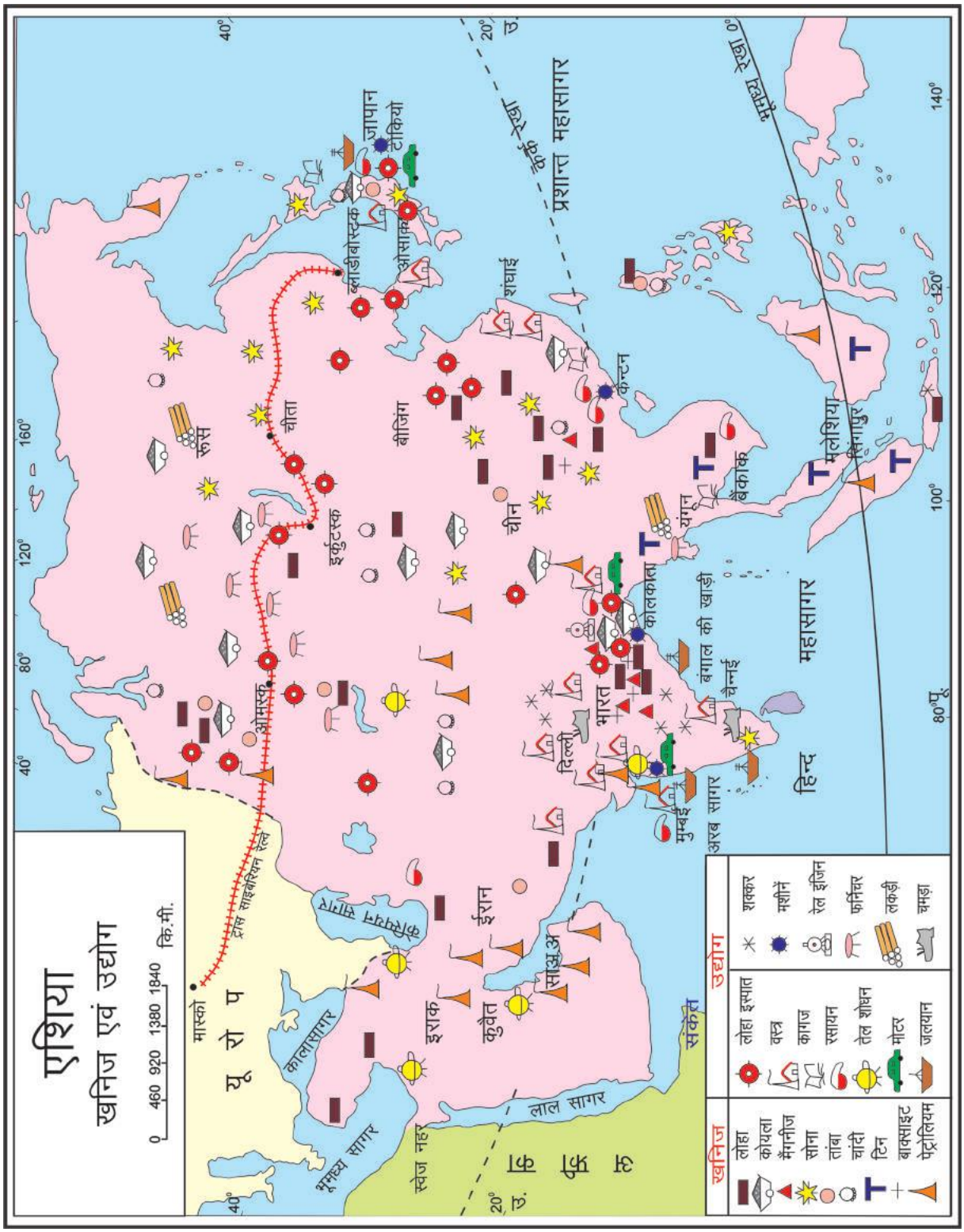

मानचित्र क्र.-12: एशिया के खनिज एवं उद्योग

यद्यपि एशिया में खनिज, ऊर्जा के संसाधनों, उद्योगों तथा यातायात साधनों का यहाँ के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है, फिर भी यहां 80% जनसंख्या ग्रामीण है। यही कारण है कि एशिया के अधिकांश देशों में उद्योगों की तुलना में जीविका का प्रमुख आधार कृषि ही है।

एशिया में भारत की स्थिति और उसका महत्व

एशिया महाद्वीप के दक्षिण में भारत की तीन ओर समुद्रों से घिरी और मध्यवर्ती स्थिति, प्राचीन काल से ही व्यापारिक महत्व की रही है। भारत, वर्तमान में हो रहे औद्योगिक उत्पादों के निर्यात के कारण, अपनी स्थिति का भरपूर दोहन कर रहा है। महत्वपूर्ण स्थिति के कारण ही भारत से विश्व के मुख्य वायु मार्ग गुजरते हैं। उष्ण जलवायु से समशीतोष्ण जलवायु के विस्तार होने के कारण भारत कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व का महत्वपूर्ण देश है।

एशिया के लोग

जनसंख्या की दृष्टि से एशिया में चीन का स्थान पहला है और भारत का स्थान दूसरा है। विश्व की लगभग दो तिहाई जनसंख्या केवल एशिया महाद्वीप में निवास करती है। एशिया का जनजीवन मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, अभी भी अधिकांश स्थानों पर लोग, पुराने परम्परागत ढंग से कृषि करते हैं, यद्यपि चीन, जापान, रूस एवं भारत में आधुनिक ढंग से खेती की शुरूआत हो चुकी है। एशिया महाद्वीप में उपलब्ध कृषि योग्य भूमि, खनिज एवं ऊर्जा के संसाधन, उद्योग धन्धे एवं यातायात के विकास का समग्र प्रभाव यहां के जनजीवन पर पड़ा है। जनसंख्या, ग्रामों से नगरों की ओर प्रवाहित हुई है और उन पर शहरीकरण का प्रभाव हुआ है। इससे इनका जीवन स्तर अधिक विकसित हुआ है।

मानव भूगोलवेत्ताओं के अनुसार एशिया में प्रमुख रूप से कॉकेशियन, मंगोलॉयड प्रजातियाँ और इनकी मिलीजुली प्रजातियाँ निवास करती हैं। महाद्वीप में कुछ भ्रमणशील व घुमन्तू जातियाँ भी हैं जैसे— उत्तरी एशिया में समोयडीज, याकूत, स्टेपी प्रदेश के खिरगीज और कज्जाक, मध्य एशिया में कालमुक, अरब के बद्दू इत्यादि।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) एशिया महाद्वीप में सबसे अधिक कोयला मिलता है-

(अ) रूस (ब) मलेशिया

(स) जावा (द) पाकिस्तान

(2) 'रेशम मार्ग' किस देश से सम्बन्धित है-

(अ) भारत (ब) श्रीलंका

(स) चीन (द) जापान

(3) प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक देश है-

(अ) कुवैत (ब) भारत

(स) चीन (द) श्रीलंका

(4) 'ग्रांड ट्रंक मार्ग' किस देश में है-

(अ) श्रीलंका (ब) भारत

(स) चीन (द) मंगोलिया

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) एशिया महाद्वीप की अधिकांश जनसंख्या ------- पर निर्भर है।

(2) एशिया महाद्वीप में टिन का उत्पादन सबसे अधिक ------- देश में होता है।

(3) विश्व का सबसे बड़ा रेलमार्ग -------- है।

(4) स्वेज एक ------ है जो लाल सागर और ----- को जोड़ती है।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप में लोहा किन देशों में पाया जाता है?

(2) एशिया महाद्वीप की प्रमुख फसलें कौन-कौन सी है?

(3) ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग पर पड़ने वाले प्रमुख शहरों के नाम लिखिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) एशिया महाद्वीप के आर्थिक संसाधन के रूप में कृषि का क्या महत्व है?

(2) खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों ने एशिया महाद्वीप के आर्थिक विकास में कैसे सहयोग किया है?

(3) एशिया महाद्वीप में यातायात के साधन आर्थिक विकास में किस तरह सहायक हैं?

मानचित्र कार्य : निम्नांकित को एशिया के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) चावल उत्पादक क्षेत्र

(2) रबर उत्पादक देश

(3) कोयला उत्पादक देश

(4) पेट्रोलियम उत्पादक देश

(5) स्वेज नहर

(6) ट्राँस साइबेरियन रेलमार्ग

एशिया
0 460 920 1380 1840 कि.मी.